

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 60
उत्तर देने की तारीख-25/11/2024

आईआईटी में एससी/एसटी और ओबीसी छात्रों द्वारा आत्महत्या

†60. श्री एंटो एन्टोनी

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) पिछले पांच वर्षों के दौरान आईआईटी में छात्रों द्वारा आत्महत्या की वर्ष-वार और संस्थान-वार रिपोर्ट की गई संख्या कितनी है;
- (ख) अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से संबंधित ऐसे छात्रों की संख्या, वर्ष-वार और आईआईटी-वार कितनी है;
- (ग) सरकार द्वारा आईआईटी में आत्महत्याओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं, और
- (घ) प्रत्येक आईआईटी में वर्तमान में मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की संख्या कितनी है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (घ) राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो पुलिस द्वारा आत्महत्या के दर्ज (एनसीआरबी) मामलों से आत्महत्याओं संबंधी आंकड़े एकत्र करता है। वर्ष 2022 में छात्रों की आत्महत्या की संख्या का विवरण एनसीआरबी की भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या (एडीएसआई) 2022 रिपोर्ट में उपलब्ध है, जो

<https://ncrb.gov.in/uploads/nationalcrimerecordsbureau/custom/adsiyarwise2022/1701611156012ADSI2022Publication2022.pdf> पर उपलब्ध है।

भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या (एडीएसआई), 2022, एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार आत्महत्या के विभिन्न कारण हैं जैसे पेशे/करियर की समस्याएं, अलगाव

की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय हानि, पुराना दर्द आदि।

आत्महत्या के मामलों से निपटने के लिए, सरकार बहु-आयामी उपाय कर रही है तथा आत्महत्या की घटनाओं से बचने के लिए मानसिक और भावनात्मक कल्याण के लिए छात्रों, शिक्षकों और परिवारों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करती है। शिक्षा मंत्रालय ने देशभर के छात्रों, उनके परिवारों और शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से मनोदर्पण नामक पहल शुरू की है। मनोदर्पण पहल के तहत की जाने वाली सभी गतिविधियों का उद्देश्य स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण में सहयोग करना है, जिनमें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र भी शामिल हैं।

मंत्रालय ने दिनांक 10.07.2023 को उच्चतर शिक्षा संस्थानों में छात्रों के भावनात्मक और मानसिक कल्याण के लिए एक व्यापक रूपरेखा भी प्रचालित की है, साथ में संस्थागत कामकाज में इसे शामिल करने के लिए सक्रिय उपाय और छात्र समुदाय में विश्वास की भावना पैदा कराने का अनुरोध किया गया है।

उच्चतर शिक्षा संस्थान खुशी और कल्याण पर कार्यशालाएं/सेमिनार आयोजित करना, योग पर नियमित सत्र, प्रवेश कार्यक्रम, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों सहित पाठ्येतर गतिविधियां, छात्रों के शिक्षाविदों के साथ सहायता करने और उनकी प्रगति की निगरानी करने के लिए छात्रों के छोटे समूह के लिए एक संकाय सलाहकार नियुक्त करना, और समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए छात्र परामर्शदाताओं की नियुक्ति था छात्रों को तनावमुक्त करना जैसे विभिन्न कदम उठाते हैं। इसके अतिरिक्त, छात्रों, वार्डनों और केयरटेकरों को सहपाठियों में अवसाद के लक्षणों के बारे में प्राधिकारियों को जानकारी देने के लिए सुग्राही बनाया जाता है ताकि समय पर नैदानिक परामर्श प्रदान किया जा सके। आईआईटी मद्रास, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी गुवाहाटी और आईआईटी गांधीनगर ने मई-अगस्त, 2023 के दौरान उत्तरी, पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्रों में मानसिक कल्याण और तनाव प्रबंधन पर कार्यशालाएं भी आयोजित की हैं, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई शैक्षणिक संस्थानों और विशेषज्ञों को शामिल किया गया है, ताकि आत्महत्या के मामलों की रोकथाम और मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण विकसित किया जा सके।

उच्चतर शिक्षा संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य क्षमता और कल्याण को बढ़ाने के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी शुरू किया गया है, जो छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर श्रेष्ठ प्रथाओं को साझा करने और विशेषज्ञों के साथ सहयोग करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। मई से अक्टूबर 2024 तक, 900 से अधिक संकाय सदस्यों ने उच्चतर शिक्षा संस्थानों में आयोजित विभिन्न सत्रों में भाग लिया। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय कल्याण सम्मेलन की परिकल्पना छात्रों और शिक्षकों के लिए विचारों का आदान-प्रदान करने, पहलुओं को प्रदर्शित करने और श्रेष्ठ प्रथाओं को साझा करने हेतु एक सहयोगी मंच बनाने के लिए की गई थी। पहला राष्ट्रीय कल्याण सम्मेलन 9-10 नवंबर 2024 को आईआईटी हैदराबाद में आयोजित किया गया है, इस सम्मेलन में केंद्र द्वारा वित्तपोषित संस्थानों के 300 से अधिक हितधारकों ने हिस्सा लिया, जिसमें 50 से अधिक उच्चतर शिक्षा संस्थानों ने उभरती प्रथाओं का प्रदर्शन किया।

यूजीसी ने दिनांक 13.04.2023 को उच्चतर शिक्षा संस्थानों में शारीरिक फिटनेस, खेल, छात्र स्वास्थ्य, कल्याण, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए दिशानिर्देश भी जारी किए हैं, जिसमें छात्रों के लिए शारीरिक फिटनेस और खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने; शैक्षणिक दबाव, साथियों के दबाव, व्यवहार संबंधी मुद्दों, तनाव, करियर संबंधी चिंताओं, अवसाद और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर अन्य मुद्दों के खिलाफ सुरक्षा उपाय करने; छात्र समुदाय में सकारात्मक सोच और भावनाओं को सिखाने; और छात्रों के लिए एक सकारात्मक और सहायक नेटवर्क को बढ़ावा देने का प्रावधान है।

आईआईटी ने ऑन-कैंपस, ऑनलाइन और ऑफ-कैंपस काउंसलिंग सेवाओं के माध्यम से व्यापक मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने के लिए छात्र कल्याण केंद्र (एसडब्ल्यूसी) स्थापित किए हैं। इसके अतिरिक्त, आईआईटी स्वयंसेवी कार्यक्रमों, गेटकीपर प्रशिक्षण और शिकायत निवारण तंत्र के माध्यम से छात्र कल्याण को बढ़ावा देते हैं। पेशेवर ऑनलाइन परामर्श प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के अलावा, आईआईटी में परामर्शदाता और मनोचिकित्सक सहित 130 से अधिक मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर भी कार्यरत हैं।
